Prabhat Khabar (Date: - 21/09/2019)

एसटी-एससी आवासीय स्कूल होंगे स्मार्ट

➲ छात्र-छात्राओं को परिसर में मिलेगी हर सुविधा

संवाददाता ▷ पटना

राज्य के सभी एससी-एसटी आवासीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए अगले साल मार्च तक स्मार्ट क्लास और इ-लाइब्रेरी की सुविधा मिल जायेगी. यहां पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा के तहत परिसर में सीसीटीवी कैमरे, महिला-पुरुष सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जायेगी. कॉमन रूम, प्रयोगशाला, खेलकूद के लिए परिसर में सुविधाएं बढ़ायी जायेंगी. विभागीय अधिकारी के मुताबिक पहले चरण में 15 से अधिक आवासीय विद्यालयों में यह सुविधा प्रदान की जायेगी.

बच्चों की काउंसेलिंग की होगी अलग व्यवस्था : जिन बच्चों को पढ़ाई में मन नहीं लगता है या पढ़ाई में दिक्कत आती है, वैसे बच्चों के लिये परिसर में काउंसेलिंग की अलग से व्यवस्था होगी. पढ़ाई में बेहतर नहीं करने वाले बच्चों को क्लास के बाद अलग से आधे घंटे का विशेष क्लास आयोजित किया जायेगा. ताकि, उनकी पढ़ाई-लिखाई में किसी तरह की परेशानी नहीं आये.

इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी से पढ़ेंगे किताब

नये आवासीय विद्यालय को मिल चुकी है स्वीकृति : आठ नये आवासीय विद्यालयों को कटौना (जमुई), पीरपैंती (भागलपुर), चानन (बांका), रामपुर (बक्सर), हालामाला (किशनगंज), महकार (गया), बेलाटांडी (पश्चिम चंपारण) और आस्ता (जमुई) में बनेगा.

तीन जिलों में निर्माण कार्य की मिली स्वीकृति : वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुसूचित जाति के लिए कुमारखंड (मधेपुरा) एवं अनुसूचित जनजाति के लिये रेहल (रोहतास) और सिंहेश्वर (मधेपुरा) में आवासीय स्कूलों के निर्माण की मंजूरी मिली है. यहां अगले साल मार्च से पढ़ाई आरंभ होगी.

Prabhat Khabar (Date: - 21/09/2019)

जयंती विशेष ● **बिहार के हो-ची-मिन्ह थे सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री**

ईमानदारी और सादगी के प्रतीक थे भोला पासवान

रामशंकर आर्य

जन्म : 21 सितंबर, 1914/ निधन: 1984

मुख्यमंत्री रहे

- 22 मार्च, 1968 से 29 जून, 1968
- 22 जून, 1969 से चार जुलाई, 1969
- दो जून, 1971 से नौ जनवरी, 1972

- उन्होंने कितने संघर्षों को झेला होगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है
- भोला पासवान शास्त्री की जीवनी को पाठयक्रम में शामिल किया जाना चाहिए

पूर्णिया जिले के एक पिछड़े इलाके से आने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री बिहार के हो-ची-मिन्ह थे. हो-ची-मिन्ह वियतनाम के प्रसिद्ध नेता थे. एक बार वह भारत आये तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने उनके लिए रेड कारपेट बिछवायी थी. मगर, हो-ची-मिन्ह ने रेड कारपेट पर चलने से मना कर दिया. उनके पैरों में टायर के बने चप्पल थे. भोला पासवान शास्त्री भी इसी तरह ईमानदारी व सादगी के प्रतीक थे. पूर्णिया जैसे पिछड़े इलाके से आकर राज्य की राजनीति करने वाले भोला पासवान एक बहुत ही साधारण परिवार से आते थे. उन दिनों समाज में सामंतवादी सोच और जातीय संकीर्णता प्रभावशाली रही थी, इसके बाद भी वे सर्वमान्य नेता के तौर पर उभर कर सामने आये. तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री बने भोला पासवान शास्त्री ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिनकी राजनीति में बहुत ही गंभीरता से याद किया जाता है. मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने के बाद भी अपने ईमानदार चरित्र को कायम रखना तथा अपने निजी या व्यक्तिगत हितों को दूर किये रहना उनकी पहचान थी. हमेशा राज्य की, जनता की और समाज की हित के बारे सोचना और काम करने में पूरा जीवन बीत गया. आज भी उनके परिजनों के आधे ईंट और आधी फूस की घर है. परिवार के लोग साधारण खेती या मजदूरी करते देखे जा सकते हैं. मैंने उनकी वियतनाम यात्रा का लेख पढ़ी है. मैं खुद भी वियतनाम गया हूं. मैंने देखा कि हो-ची-मिन्ह जिस साधारण झोंपड़ी में रहा करते थे, जिस टेबल पर काम करते थे, सबको सहेज कर रखा गया है. भोला पासवान जी की यादों को भी सहेज कर रखा जाना चाहिए. मैं उनसे निजी तौर मिला हूं, देखा हूं. उनकी जीवनी को पाठयक्रम में शामिल किया जाना चाहिए. यद्यपि उनका मुख्यमंत्री का कार्यकाल बहुत कम समय का रहा, लेकिन अपने अल्प समय में उन्होंने जितने कार्य किये, सब आज भी याद किये जाते हैं. समाज में हाशिये पर जीने वाले परिवार से बाहर निकल कर कठिनाइयों को झेलते हुए वह राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे, उन्होंने कितने संघर्षों को झेला होगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है. भोला पासवान शास्त्री और कर्पूरी ठाकुर बिहार व देश की राजनीति के विचित्र उदाहरण हैं. उन दिनों केंद्र और राज्य में कांग्रेस की ही सरकारें हुआ करती थी. भोला पासवान शास्त्री पर कांग्रेस पार्टी ने भरोसा किया, ऐसा व्यक्तित्व शायद ही मिलते हैं. राजनीति से जुड़े लोगों को इनकी जीवनी याद रखनी चाहिये, उनसे सीख लेनी चाहिए. शास्त्री एक सादगी भरे चिंतक के रूप में भी याद किये जायेंगे.

लेखक पटना कॉलेज के प्राचार्य हैं

Prabhat Khabar (Date: - 21/09/2019)

बोरिंग रोड चौराहे पर बन रहे बेलूर मठ में विराजेंगी मां दुर्गा

इकोफ्रेंडली बन रहीं मूर्तियां प्लास्टिक का नहीं होगा यूज

■ **प्रतिमा बनाने में घुलनशील रंगों का होगा इस्तेमाल**

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

बोरिंग रोड चौराहा पर आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जायेगा.

साथ ही प्लास्टिक पेंट और धातु रंग के इस्तेमाल से भी परहेज किया जायेगा. बोरिंग रोड पूजा समिति के अध्यक्ष उमेश सिंह ने कहा कि मूर्ति का निर्माण मधुपर के मूर्तिकारों द्वारा किया जा रहा है. इसमें पूरी तरह घुलनशील रंगों का इस्तेमाल हो रहा है और जिसमें प्लास्टिक का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जायेगा.

पूजा समिति द्वारा यहां पंडाल को बेलूर मठ का रूप दिया जायेगा. पंडाल का निर्माण केवल कपड़ों और लकड़ी से किया जा रहा है और उसमें प्लास्टिक का इस्तेमाल न के बराबर किया जायेगा. उमेश ने कहा कि पिछले वर्ष हमने

पंडाल के ऊपर नाम लिखने के लिए थर्मोकोल के बोर्ड का इस्तेमाल किया था लेकिन इस वर्ष उस का भी विकल्प ढूंढा जा रहा है. माता रानी के अस्त्र शस्त्र पीतल के हैं जिन्हें विसर्जन से पहले निकाल लिया जाता है. इसके कारण यहां भी प्लास्टिक या प्लास्टिक मिश्रित कागज के इस्तेमाल से वे बच जाते हैं. देवी मां के गहने भी मेटल के होते हैं जिन पर सोने का पानी चढ़ा होता है. वहां भी प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं होगा. खीर, पूरी व खिचड़ी का यहां प्रसाद के रुप में वितरण होता है. इसके लिए भी प्लास्टिक के प्लेट की जगह पत्ते के दोने का इस्तेमाल होगा जो पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है. इस संदर्भ में डीएम के आदेश के बारे में पूछे जाने पर उमेश ने कहा कि जिला प्रशासन के आदेश का पालन होना ही चाहिए लेकिन उससे भी अधिक भविष्य की जरूरत को देखते हुए ऐसा करना जरूरी है ताकि अगली पीढ़ी को भी हम एक बेहतर प्राकृतिक वातावरण दे सकें.

यूथ हॉस्टल में होगी दशहरा कमेटी ट्रस्ट की रामलीला

दशहरा कमिटी ट्रस्ट की रामलीला इस बार कदमकुआं के नागाबाबा ठाकुरबाड़ी की जगह फ्रेजर रोड स्थित युवा आवास में होगी. इसको लेकर शुक्रवार को श्री गणेश एवं हनुमान जी की कार्य निर्विघ्न पूजा की गयी. रामलीला समिति के संयोजक मुकेश नंदन ने बताया कि इस वर्ष 28 सितंबर से 9 अक्तूबर तक प्रतिदिन रामलीला का आयोजन यूथ होस्टल में किया जायेगा. 28 सितंबर को भव्य भजन का आयोजन होगा तथा 29 तारीख से रामलीला का मंचन होगा. इस वर्ष भारत मिलाप प्रसंग भी यूथ होस्टल में किया जायेगा. उन्होंने बताया कि रामलीला के मंचन के लिए वृंदावन से 30 कलाकारों की टोली आचार्य गिरि राज किशोर जी के नेतृत्व में पटना आयेगी और प्रतिदिन रामायण से जुड़े प्रसंगों का सजीव मंचन करेगी. रामलीला मंचन कार्य के लिए आज से पटना के यूथ होस्टल में टेंट का निर्माण कार्य पूजा के बाद प्रारंभ किया गया. संयोजक मुकेश नंदन ने बताया कि इस वर्ष प्रतिदिन रामलीला मंचन के बाद दर्शकों से प्रश्न पूछे जायेंगे.